वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान भारत से संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात की गई औषधीय जड़ी-बूटियों की प्रमुख मदें ये थीं : ईसब गोल की भूसी/बीज, सनाय के पत्ते तथा फलियां, कच्ची अफीम, पोस्त के बीज/भूसी, सरस पारिला तथा सदाबहार की जड़ आदि । वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका को इन मदों का निर्यात क्रमशः 46.09 करोड रुपये तथा 55 करोड़ रुपये के रहे ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) औषधीय पौधों/जड़ी बूटियों के निर्यात गैर सरकारी पार्टियों द्वारा किये जाते हैं और ये निर्यात सरकारों के बीच हुये किसी प्रकार के विशेष व्यापार करारों द्वारा संचालित नहीं होते हैं ।

निर्यात संवर्धन परिषदों में कर्मचारियों की छंटनी

1140. **श्री अजीत जोगी :**

श्री राजूभाई ए० परमार :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने निर्यात संवर्धन परिषदों में कई कर्मचारियों की छटनी कर दी है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार छंटनी संबंधी अपने आदेशों की समीक्षा करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

हंगरी के साथ नवीन व्यापार प्रस्ताव

1141. **श्री अजीत जोगी** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार हंगरी के साथ सहयोग के कुछ क्षेत्रों का विस्तार करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गत जनवरी में हुई भारत-हंगरी संयुक्त व्यापार परिषद् की पिछली बैठक में इस संबंध में कोई निर्णय लिया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) जी हां, हंगरी के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे है । इनमें अन्य बातों के साथ-साथ ये भी शामिल है : व्यापार की वस्तुओं का विस्तार तथा विविधीकरण, व्यापार मेलों और प्रदर्शिनियों में भागीदारी को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक तथा व्यापार-प्रतिनिधि-मंडलों का आदान प्रदान शामिल है ।

(ग) और (घ) भारत-हंगरी संयुक्त व्यापार परिषद् की 23 जनवरी, 1992 को नई दिल्ली में हुई 10वीं बैठक में, हंगरी में संयुक्त उपक्रमों की स्थापना करने के लिए अभिज्ञात किए गए प्रमुख क्षेत्र है : वस्त्र, परिधान, चमड़ा तथा चमड़े से बने उत्पाद, आटोमोबाइल संघटक पर्यटन तथा होटल उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इलैक्ट्रानिक्स आदि । दोनों देशों के बीच व्यापार में सुधार करने की सम्भावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया ।

भारत से हंगरी को निर्यात के लिए अभिज्ञात की गई ट्रस्ट मदें हैं : कम्प्यूटस, कम्प्यूटर साफ्टवेयर, मशीनरी तथा उपस्कर, कम्प्रैसर्स, पम्प, घरेलू उपभोक्ता वस्तुएं, सिले-सिलाए परिधान, बिजली का सामान, प्रसंस्कृत खाद्य, इलैक्ट्रानिक मदें आदि ।

निर्यात के लिये चयनित विशिष्ट मदें

1142. **श्री अजीत जोगी** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने हाल ही में निर्यात के लिये कुछ ऐसी मदों का चयन किया है जिसकी ओर उनका मंत्रालय विशेष ध्यान देगा; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) सरकार ने विशेष रूप से ध्यान दिए जाने के लिए 34 वस्तुएं/वस्तु समूह अभिज्ञात किए हैं । इन्हें "एक्ट्रीम फोक्स सेक्टर" कहते हैं, इनका उद्देश्य निर्यातों की मात्रा अथवा मूल्य में प्रतिवर्ष 30 प्रतिशत की वृद्धि करना है । इसके लिए 26 कार्य दल गठित किए गए थे । कार्य दलों की रिपोर्टों तथा सिफारिशों की समेकित रिपोर्ट पर विचार किया जा रहा है ।

Changes in Export Import Policy

1143. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government are contemplating comprehensive changes in the Export Policy;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether such changes are likely to boost exports, if so, what items have been listed under the changes?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) to (c) The Export and Import Policy for 1992—97 aims, inter-alia, at augmenting India's exports by facilitating access to raw materials, intermediates, components, consumables and capital goods from the international market. Keeping this objective in view, the Policy provides for free import and export of all items other than those covered by the Negative Lists of Imports and Exports.

The Export and Import Policy is kept constantly under review and changes are made therein as and when deemed necessary.

India's Trade Position

1144. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what has been the trends in the fields of export-import and trade deficits of the country during the last six months, month-wise and how these compare with the corresponding period of the previous year; and

(b) what steps are being taken by Government to increase exports?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) The foreign trade data is available upto the month of April, 1992. The details of export-import and balance of trade during the last six months for which data is available and as compared to